

Padma Shri



SHRI K. Y. VENKATESH

Shri K. Y. Venkatesh is differently abled since birth, short in height. Despite being at a serious disadvantage due to very short height, he bravely went ahead and faced many challenges in sports, cultural and other social activities and came up as a winner in many situations repeatedly.

2. Born on 13th June, 1968, Shri Venkatesh received his Diploma in Computer Science from the Department of Technical Education, Bangalore in 1989.

3. Shri Venkatesh Excelled in more than one Sports like Athletics, Badminton, Basketball, Hockey, Soccer and Volleyball. He participated in the 4th Dwarf Olympic Games 2005 and won 6 Medals and India was placed 5th in the Medal Standings. He was the first person from India to get the Highest Medal tally in the International events in a year. He comes from a middle class family where he is the youngest in the family and differently abled by birth. He started sports career from school days and used to play Chess and represent interschool tournaments. His aim was to compete in the sports despite winning or losing.

4. Shri Venkatesh led India at the 5th Dwarf Olympic Games 2009 and India won 17 Medals. His Medals were 4 (1 Gold & 3 Bronze medals). The Government of India recognized his contribution to the sports for the differently abled and he was sent as Team Escort for many International level sports meet to help the Differently abled players.

5. Shri Venkatesh is the recipient of Limca People of the Year Award and Ekalvya Award from Government of Karnataka. He played a key role in getting the International affiliations to India from the International Badminton Association for the Disabled, Germany, International Wheelchair Basketball Federation, Canada, International Para Equestrian Committee, Switzerland and International Dwarf Sports Federation UK. He is actively involved with the Government & NGOs offering wheelchair access for the Wheelchair people at important places. He is also working with the manufacturers for low-cost Sports equipment's for the Differently abled. He has been commended, appreciated and decorated with a large variety of honors by various sports management from the Centre, State as well as media and in other forums. Perhaps there are very few peers who have received such an unparalleled amount of recognition from all around.



श्री के. वाई. वेंकटेश

श्री के. वाई. वेंकटेश जन्म से दिव्यांग और छोटे कद के हैं। बहुत कम कद से होने वाली दिक्कतों के बावजूद उन्होंने बहादुरी से आगे बढ़कर खेल, सांस्कृतिक और अन्य सामाजिक गतिविधियों में अनेक चुनौतियों का सामना किया और हर बार उन पर विजय प्राप्त की।

2. 13 जून, 1968 को जन्मे श्री वेंकटेश ने 1989 में तकनीकी शिक्षा विभाग, बेंगलूर से कंप्यूटर साइंस में डिप्लोमा प्राप्त किया।

3. श्री वेंकटेश ने एथलेटिक्स, बैडमिंटन, बास्केटबॉल, हॉकी, फुटबॉल और वॉलीबॉल जैसे अनेक खेलों में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। उन्होंने चौथे डवार्फ ओलंपिक खेल 2005 में भाग लिया था और 6 पदक जीते थे जिससे भारत को पदक तालिका में पांचवा स्थान हासिल हुआ। वह भारत के पहले व्यक्ति थे जिसने एक वर्ष में अंतरराष्ट्रीय स्पर्धाओं में सबसे ज्यादा पदक प्राप्त किए थे। वह एक मध्यम वर्गीय परिवार से ताल्लुक रखते हैं जिसमें वह सबसे छोटे हैं और जन्म से दिव्यांग हैं। उन्होंने स्कूली दिनों से ही अपने खेल करियर की शुरुआत कर दी थी। वह शतरंज खेला करते थे और इंटर स्कूल टूर्नामेंट में भाग लिया करते थे। उनका मकसद खेलों में मुकाबला करना था, पदक का जीतना या हारना उनके लिए कोई मायने नहीं रखता था।

4. श्री वेंकटेश ने पांचवे डवार्फ ओलंपिक खेल, 2009 में भारत का नेतृत्व किया और भारत ने उसमें 17 पदक जीते थे। उन्होंने 4 पदक (1 स्वर्ण और 3 कांस्य पदक) जीते थे। भारत सरकार ने दिव्यांगों के लिए खेलों में उनके योगदान को मान्यता दी और उन्हें दिव्यांग खिलाड़ियों की मदद के लिए कई अंतरराष्ट्रीय खेल स्पर्धाओं के लिए टीम एस्कोर्ट के रूप में भेजा गया।

5. श्री वेंकटेश को लिम्का पीपुल्स ऑफ द ईयर पुरस्कार और कर्नाटक सरकार का एकलव्य पुरस्कार प्रदान किया गया है। उन्होंने इंटरनेशनल बैडमिंटन एसोसिएशन फॉर द डिसेबल्ड, जर्मनी, इंटरनेशनल व्हीलचेयर बास्केटबॉल फेडरेशन, कनाडा, इंटरनेशनल पैरा एक्सेस्ट्रियन कमेटी, स्विट्ज़रलैंड और इंटरनेशनल डवार्फ स्पोर्ट्स फेडरेशन यू के से भारत को अंतरराष्ट्रीय मान्यता दिलाने में अहम भूमिका निभाई। वह महत्वपूर्ण स्थलों को व्हीलचेयर सवार लोगों के अनुकूल बनाने के लिए सरकार और गैर-सरकारी संगठनों के साथ सक्रिय रूप से शामिल रहे हैं। वह दिव्यांगजनों के लिए कम लागत वाले खेल उपकरण बनाने के लिए निर्माताओं के साथ मिलकर काम कर रहे हैं। केंद्र, राज्य के साथ-साथ मीडिया और खेल प्रबंधन से जुड़ी विभिन्न संस्थाओं द्वारा उनकी सराहना की गई है और उन्हें अनेक सम्मान प्रदान किए गए हैं। शायद बहुत कम ऐसे खिलाड़ी हैं जिन्हें सभी वर्गों से इतनी अपार प्रशंसा प्राप्त हुई है।